



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1  
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 57 ]  
No. 57]

नई दिल्ली, मंगलवार, मार्च 28, 2000/चैत्र 8, 1922  
NEW DELHI, TUESDAY, MARCH 28, 2000/CHAITRA 8, 1922

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

( वाणिज्य विभाग )

अधिसूचना

नई दिल्ली, 28 मार्च, 2000

अंतिम जांच परिणाम

**विषय:** चीन जनवादी गणराज्य के मूल के अथवा वहां से निर्यातित आइसो-ब्यूटाईल बेंजीन पर लगाए गए पाटनरोधी शुल्क को जारी रखने के लिए निर्णायक समीक्षा-अंतिम जांच परिणाम ।

सं. 38/1/99/डी जी ए डी.—वर्ष 1995 में यथा संशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम 1975 और सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियम, 1995 को ध्यान में रखते हुए :

क. प्रक्रिया

1. नीचे वर्णित प्रक्रिया का पालन किया गया है:

- (i) निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिसे आगे प्राधिकारी कहा गया है) द्वारा दिनांक 2 सितम्बर 1999 की अधिसूचना सं० 38/1/99/डी जी ए डी के द्वारा एक सार्वजनिक सूचना जारी की गई थी, जो दिनांक 30 अगस्त 1994 की अधिसूचना सं० 14/50/93-टी पी डी के द्वारा चीन जनवादी गणराज्य के मूल के अथवा वहां से निर्यातित आइसो-ब्यूटाईल बेंजीन के आयातों पर सिफारिश किए गए निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क की निर्णायक समीक्षा (जिसे आगे समीक्षा भी कहा गया है) को शुरू करने से संबंधित थी;

- (ii) प्राधिकारी द्वारा दिनांक 27 जुलाई 1995 की अधिसूचना सं० 14/50/93-टी पी डी के द्वारा पूरी की गई जांचों को 'पूर्व जांच' कहा गया है;
- (iii) प्राधिकारी द्वारा दिनांक 27 मार्च 1998 की अधिसूचना सं० 6/2/96-ए डी डी के द्वारा पूरी की गई समीक्षा जांचों को भी 'पूर्व-जांच' कहा गया है;
- (iv) प्राधिकारी द्वारा भारत के राजपत्र, असाधारण में प्रकाशित दिनांक 2 सितम्बर 1999 की सार्वजनिक सूचना जारी की गई जो चीन जनवादी गणराज्य (जिसे आगे संबद्ध देश भी कहा गया है) के मूल के अथवा वहां से निर्यातित आइसो-ब्यूटाईल बेंजीन, जो सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम 1975 की अनुसूची-1 के शीर्ष 2933.40 के तहत वर्गीकृत है, के आयातों से संबंधित पाटनरोधी शुल्क की समीक्षा शुरू करने से संबंधित थी;
- (v) समीक्षा से संबंधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम की धारा 9 क (5) के अनुसार, केन्द्र सरकार द्वारा समीक्षा निष्कर्ष आने तक चीन जनवादी गणराज्य से होने वाले आइसो ब्यूटाईल बेंजीन के आयात पर लगने वाले मौजूदा पाटनरोधी शुल्क को लागू रखने की अवधि को दिनांक 14.10.1999 के कार्यालय ज्ञापन सं० 354/40/98-टी आर यू के द्वारा छः महीने के लिए बढ़ा दिया गया था जिसे बाद में टैरिफ अनुसंधान इकाई (टी आर यू) के दिनांक 18 जनवरी 2000 के कार्यालय ज्ञापन सं० 354/40/98-टी आर यू (भाग-II) के द्वारा दिनांक 19 सितम्बर 2000 तक के लिए बढ़ा दिया गया;
- (vi) प्राधिकारी द्वारा सभी ज्ञात निर्यातकों तथा उद्योग संघों (जिनके ब्यौरे याचिकाकर्ता द्वारा पूर्व जांचों में उपलब्ध कराए गए थे) को सार्वजनिक सूचना की एक प्रति भेजी गई और नियम 6(2) के अनुसार उन्हें यह अवसर दिया गया कि वे अपने विचारों से लिखित रूप में अवगत कराएं;
- (vii) प्राधिकारी द्वारा भारत में आइसो-ब्यूटाईल बेंजीन के सभी ज्ञात आयातकों तथा उपभोक्ताओं (जिनके ब्यौरे घरेलू उद्योग, अर्थात् मै० हरदिलिया कैमिकल्स लि० तथा मै० विनती ऑर्गेनिक्स लि०, द्वारा पूर्व जांचों में उपलब्ध कराए गए थे) को सार्वजनिक सूचना की एक प्रति भेजी गई और उन्हें यह सलाह दी गई कि वे पत्र की तारीख से चालीस दिनों के भीतर अपने विचारों से लिखित रूप में अवगत कराएं;
- (viii) केन्द्रीय उत्पाद कर एवं सीमाशुल्क बोर्ड (सी बी ई सी) से यह अनुरोध किया गया कि वे समीक्षा की अवधि सहित पिछले तीन वर्षों के दौरान भारत में किए गए आइसो ब्यूटाईल बेंजीन के आयातों के ब्यौरे उपलब्ध कराएं;

(ix) नियम 6(4) के अनुसार, प्राधिकारी द्वारा चीन जनवादी गणराज्य के सभी ज्ञात निर्यातकों/उत्पादकों को प्रश्नावली भेजी गई ताकि उनसे संबद्ध सूचनाएं प्राप्त की जा सकें

- मै0 सिनोकम लियानोनिंग, दालियान, चीन
- सिनोकेम जिलिन ब्रांच, चीन
- मै0 तियानजिन कैमिकल्स, चीन
- मै0 शेनयांग पेस्टीसाईड फैक्ट्री, चीन
- मै0 हंशोउ केमिकल प्लांट, चीन

तथापि किसी भी निर्यातक/उत्पादक द्वारा उक्त प्रश्नावली का जबाब नहीं दिया गया ;

(x) नियम 6(2) के अनुसार, नई दिल्ली स्थित चीन जनवादी गणराज्य के दूतावास को समीक्षा शुरू करने के बारे में इस अनुरोध के साथ सूचित किया गया था कि वे अपने देश के निर्यातकों/उत्पादकों को उक्त प्रश्नावली का जबाब निर्धारित समय के भीतर देने की सलाह दें। ज्ञात निर्यातकों/उत्पादकों की सूची के साथ निर्यातकों को भेजे गए पत्र तथा प्रश्नावली की एक प्रति भी दूतावास को भेजी गई थी। तथापि, किसी भी निर्यातक/उत्पादक द्वारा प्रश्नावली का जबाब नहीं दिया गया है;

(xi) नियम 6(4) के अनुसार, आवश्यक सूचना प्राप्त करने के लिए भारत में आइसो ब्यूट्राईल बेंजीन के निम्नलिखित आयातकों तथा/अथवा उपभोक्ताओं को प्रश्नावली भेजी गई:

- मै0 सात्विक ड्रग्स लि0, हैदराबाद

- मै0 शासुन कैमिकल्स एंड ड्रग्स लि0 चेन्नई
- मै0 शेखसराय कैमिकल्स लि0, मुंबई
- मै0 कैमिनर ड्रग्स लि0 हैदराबाद
- मै0 सुमित्रा फार्मास्यूटिकल्स एंड कैमिकल्स लि0, हैदराबाद
- मै0 सी बैल ड्रग्स प्रा0 लि0, हैदराबाद
- मै0 कॉन्सेप्ट फार्मास्यूटिकल लि0, मुंबई
- मै0 ग्लोबल ड्रग्स प्रा0 लि0, हैदराबाद
- मै0 वोरीन लेबोरेटरीज, हैदराबाद
- मै0 हेरेन ड्रग्स एंड फार्मास्यूटिकल लि0, हैदराबाद
- मै0 शेखसरिया कैमिकल्स लि0, मुंबई
- मै0 कैमिनर ड्रग्स लि0, हैदराबाद
- मै0 सुमित्रा फार्मास्यूटिकल्स लि0, हैदराबाद
- मै0 सी बैल ड्रग्स प्रा0 लि0, हैदराबाद
- मै0 कॉन्सेप्ट फार्मास्यूटिकल्स, मुंबई
- मै0 ग्लोबल ड्रग्स, हैदराबाद
- मै0 डॉलाफिन ड्रग्स, हैदराबाद
- मै0 वोरीन लेबोरेटरीज, हैदराबाद
- मै0 भारतीय विनिर्माता संघ मुंबई

निम्नलिखित द्वारा प्रश्नावली का जबाब दिया गया:

- मै0 शासुन कैमिकल्स एंड ड्रग्स लि0, चेन्नई
- मै0 शेखसराय कैमिकल्स लि0, मुंबई
- मै0 कैमिनर ड्रग्स लि0, हैदराबाद
- मै0 ग्लोबल ड्रग्स प्रा0 लि0, हैदराबाद
- मै0 हेरेन ड्रग्स एंड फार्मास्यूटिकल लि0, हैदराबाद

आवश्यक सूचना प्राप्त करने के लिए मै0 हरदिलिया कैमिकल्स लि0 तथा मै0 विनती ऑरगेनिक्स लि0 (जिसे आगे घरेलू उद्योग कहा गया है) को प्रश्नावली भेजी गई थी। घरेलू उद्योग द्वारा प्रश्नावली का जबाब दिया गया।

- (xii) प्राधिकारी द्वारा घरेलू उद्योग के अहाते में आवश्यक समझी गई सीमा तक मौके पर जांच की गई;
- (xiii) सर्व मान्य लेखा सिद्धांत (जी ए ए पी) के आधार पर उत्पादन की इष्टतम लागत जथा भारत में संबद्ध वस्तु के विनिर्माण एवं बिक्री की लागत के निर्धारण के लिए भी लागत संबंधी जांच की गई ;

Xiv. प्राधिकारी ने 3.12.99 को सार्वजनिक सुनवाई की थी निम्नलिखित कंपनियों के प्रतिनिधि उक्त सुनवाई में उपस्थित हुए थे ।

1. मै0 हरदीलिया केमिकल्स लि0;
2. मै0 विनाती आर्गेनिक्स लि0;
3. मै0 शासुन केमिकल्स एंड ड्रगस लि0;
4. मै0 शखसारिया केमिकल्स लि0;
5. मै0 केमिनर ड्रगस लि0;

सार्वजनिक सुनवाई में उपस्थित पक्षों से मौखिक रूप से व्यक्त किए गए विचारों को लिखित में प्रस्तुत करने का अनुरोध किया गया था। इन पक्षों को सलाह दी गई थी कि वे विरोधी पक्षों द्वारा व्यक्त किए गए विचारों की प्रतियां ले लें और उनसे अपने अपने खंडन प्रस्तुत करने का अनुरोध किया गया था।

प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पक्षों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्यों के अगोपनीय रूपान्तरण को रखी गई सार्वजनिक फाइल के रूप में उपलब्ध किया और उसे किसी हितबद्ध पक्ष द्वारा निरीक्षण के लिए खुला रखा।

xv यह जांच 1 अप्रैल, 1998 से 31 मार्च, 1999 तक की अवधि के लिए की गई थी।

xvi. पूर्वोक्त नियमावली के 16 के अनुसार इन निष्कर्षों के लिए विचार किए गए आवश्यक कारकों/आधार का सभी ज्ञात हितबद्ध पक्षों के समक्ष प्रकटन किया गया था और इन पर मिली टिप्पणियों पर भी इन निष्कर्षों में विधिक विचार किया गया है।

xvii. \*\*\*\* से इस अधिसूचना में किसी हितबद्ध पाक्ष गोपनीय आधार पर प्रस्तुत सूचना प्रदर्शित होती हैं प्राधिकारी द्वारा नियमों के अंतर्गत उसे गोपनीय ही माना गया है।

### (ख) घरेलू उद्योग के विचार

2. घरेलू उद्योग ने निम्नलिखित अनुरोध किए थे:-

- (i) घरेलू उद्योग ने यह तर्क दिया है पाटनरोधी समीक्षा से संबंधित पाटनरोधी नियमों के नियम 23 के अंतर्गत कि घरेलू उद्योग को हुई क्षति को दर्शाने वाले विभिन्न संकेतकों पर चीन से हुए आयातों पर पहले से ही लगाए गए पाटन रोधी शुल्क के संदर्भ में विचार करना होगा। चीन से हुए आयातों की मात्रा में गिरावट, घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में वृद्धि, घरेलू उद्योग के उत्पादन एवं विक्रीमात्रा में वृद्धि पर चीन से हुए आयातों पर पहले से लगाए गए पाटनरोधी शुल्क के संदर्भ में विचार करना होगा।
- (ii) आइ बी बी का भारत को निर्यात उसके सामान्य मूल्य से कम कीमत पर किया जा रहा है जिसके परिणाम स्वरूप पाटन हुआ है।
- (iii) आयातों का पहुंच मूल्य घरेलू उद्योग की उस समय के क्षतिरहित कीमत से कम रहने के कारण आयातों के परिणाम स्वरूप घरेलू उद्योग को और अधिक क्षति होगी।

- (iv) जब तक पाटनरोधी शुल्क को नहीं बढ़ाया जाता है तब तक घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति उठानी पड़ेगी ।

### निर्यातकों, आयातकों एवं अन्य हितबद्ध पक्षों के विचार

3.(अ) किसी भी निर्यातक/उत्पादक द्वारा प्राधिकारी को जबाब नहीं दिया गया है और कोई टिप्पणियां प्रस्तुत नहीं की गई हैं। (ब) आयातकों तथा/अथवा उपभोक्ताओं द्वारा अपने अपने विचार व्यक्त किए गए हैं और इनका संक्षेप में नीचे उल्लेख किया जाता है।

- (i) तैयार उत्पाद अर्थात् आइबुप्रोफेन की अंतर्राष्ट्रीय तथा घरेलू कीमत घट गयी है । पाटनरोधी शुल्क को जारी रखे जाने से आइबुप्रोफेन के विनिर्माताओं को बढ़ी हुई लागत के रूप में क्षति पहुंचेगी । आयात किए गए उत्पादों पर पाटन रोधी शुल्क की इस उगाही से निर्यातकों को दिया गया लाभ भी समाप्त हो जाता है । इसलिए यह अति आवश्यक है कि आयातित आइ बी बी पर पाटनरोधी शुल्क का जारी रखा जाना तथा इसकी उगाही को आगे बंद कर दिया जाए ।
- (ii) आइबुप्रोफेन की डी पी सी ओ कीमत जो वर्ष 1991 में 521/-रु० की थी, आज यह घटकर 365/-रु० प्र० किग्रा० रह गयी है जिससे लागत मितव्ययी आधार पर कच्चे माल की खरीदारी की मुश्किल बढ़ती है ।
- (iii) आइ बी बी का भारत को निर्यात उसके सामान्य मूल्य से कम मूल्य पर नहीं किया गया है और इसके कारण कोई पाटन नहीं हुआ है ।
- (iv) आइ बी बी के विनिर्माताओं को वास्तविक क्षति का कोई खतरा नहीं है ।
- (v) परिणामस्वरूप आइ बी बी पर पाटनरोधी शुल्क को तत्काल, दिनांक 19 सितम्बर, 1999 की पूर्व प्रभावी तिथि से वापस लिया जाना चाहिए ।

### 4. प्राधिकारी द्वारा जांच

निर्यातकों, आयातकों, याचिकाकर्ता तथा अन्य हितबद्ध पक्षों द्वारा किए गए निवेदनों की जांच की गई और नियमों के संदर्भ में उठाए गए तथा इस मामले पर प्रभाव डालने वाले मुद्दों पर विचार किया गया और इस अधिसूचना में उचित स्थान पर इन पर कार्यवाही की गई है ।

### घ) प्राधिकारी द्वारा आवश्यक तथ्यों का प्रकटन

(क) हितबद्ध पार्टियों द्वारा की गई टिप्पणियां:—घरेलू उद्योग ने यह तर्क दिया है कि:—

- हमारे द्वारा आपके निदेशालय को उत्पादन लागत और लगाई गई पूंजी के बारे में प्रस्तुत किए गए आंकड़ों तथा जांच के लिए आपके अधिकारियों को प्रस्तुत किए गए हमारे लेखाओं के रिकार्डों के आधार पर क्षतिरहित कीमत का निर्धारण आपके निदेशालय द्वारा संगणित कीमत से पर्याप्त रूप से अधिक आंकड़ों में होना चाहिए ।

- प्रकटन विवरण-पत्र में पाटन के संबंध में भी कोई सुस्पष्ट उल्लेख नहीं है यद्यपि संगत तथ्यों एवं आंकड़ों से हम सिद्ध कर चुके हैं कि पाटन में तेजी आई है। हम निदेशालय से अनुरोध करते हैं कि कृपया वे इस संबंध में अपने निष्कर्षों को स्पष्ट करें।
- प्रकटन विवरण-पत्र में चीन जनवादी गणराज्य से हुए आई बी बी के आयात की पहुंच लागत के बारे में आपके निदेशालय के संगणना मूल्य का कोई उल्लेख नहीं है। हम आपसे अनुरोध भी करते हैं कि कृपया अपने निष्कर्षों में यह स्पष्ट करें कि आपको प्रस्तुत आंकड़ों के आधार पर चीन जनवादी गणराज्य से भारत में आई बी बी का पाटन हो रहा है।
- निर्धारण वर्ष 1998-99-क्षतिरहित कीमत के निकालने के लिए उत्पादन लागत हेतु एक उचित सांकेतिक वर्ष नहीं है।
- हमें पुनः यह कहना पड़ रहा है कि आई बी बी पर पाटनरोधी शुल्क को घरेलू आई बी बी के विनिर्माताओं को हुई क्षति को समाप्त करने के लिए अपेक्षित स्तर तक बढ़ाए जाने की आवश्यकता है।

### आयातकों/उपभोक्ताओं द्वारा की गई टिप्पणियां

पाटनरोधी शुल्क की उगाही को न केवल जारी रखने का बल्कि इस प्रकार की स्वयं उगाही का ही कोई औचित्य नहीं बनता है। पाटन की मौजूदगी और पाटनरोधी मार्जिन, जिसकी गणना की गई है, को दर्शाने के लिए कोई साक्ष्य नहीं है। आइसो ब्रुटाइल बेजीन के स्थानीय विनिर्माता माने गए निर्यात के आधार पर अंतर्राष्ट्रीय मूल्यों पर संबद्ध वस्तुओं की आपूर्ति करने के इच्छुक रहे हैं जैसाकि संलग्न अनुबंधों से यह स्पष्ट होता है। यह स्वतः ही आई बी बी के स्थानीय विनिर्माताओं के बारे में इस बात का एक निश्चित संकेत है कि ऐसी आपूर्तियों के लिए उन्हें पर्याप्त मार्जिन मिलता है और इसके लिए पाटनरोधी शुल्क के रूप में अतिरिक्त शुल्क लगाने के लिए कोई समर्थन अपेक्षित नहीं है।

### (ख) प्राधिकारी द्वारा आवश्यक तथ्यों के प्रकटन पर टिप्पणियों की जांच

- प्राधिकारी ने दिनांक 7.2.2000 को घरेलू उद्योग के साथ हुई एक पृथक बैठक में क्षतिरहित कीमत को निकालने के लिए निदेशालय द्वारा अपनाई गई पद्धति को स्पष्ट किया था।
- प्रकटन विवरण-पत्र में, प्राधिकारी ने निर्यातकों से सहयोग न मिलने पर सामान्य मूल्य और निर्यात मूल्य की गणना के लिए अपनाई गई पद्धति को स्पष्ट रूप से प्रकट किया है।
- प्रकटन विवरण-पत्र में, प्राधिकारी ने स्पष्ट रूप से यह उल्लेख किया है कि निर्यात कीमत की गणना डी जी सी आई एंड एस, भारत सरकार, कलकत्ता के आधार पर की गई है, जो एक सार्वजनिक दस्तावेज है।
- प्राधिकारी ने जांच अवधि का निर्धारण सभी स्रोतों से उक्त अवधि के लिए उपलब्ध आंकड़ों को ध्यान में रखते हुए मामले को शुरू करने के समय किया है। घरेलू उद्योग ने मामले की शुरुआत के समय से प्रकटन विवरण-पत्र दिए जाने तक जांच अवधि के बारे में कोई अपत्ति नहीं की है। इसलिए, प्राधिकारी ने इस स्तर पर घरेलू उद्योग के तर्क को नहीं माना है।

(ड.) विचाराधीन उत्पाद, घरेलू उद्योग और सामान वस्तुएं

4. विचाराधीन उत्पाद, घरेलू उद्योग और सामान वस्तु के संबंध में पहले अधिसूचित अंतिम निष्कर्ष यथावत रहेंगे।

(च) पाटनसामान्य मूल्य

5. प्राधिकारी ने धारा 9(क)(1)ग के अनुसार सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के प्रयोजनार्थ ज्ञात निर्यातकों को निर्यातक प्रश्नावली भेजी ; तथापि किसी भी निर्यातक ने प्राधिकारी को न तो कोई जबाब दिया और न ही किसी सूचना को प्रस्तुत किया। इसलिए, प्राधिकारी यह मानते हैं कि संबद्ध देश के किसी भी निर्यातक ने प्राधिकारी के साथ सहयोग नहीं किया है जैसाकि नियमों के तहत अपेक्षित है। प्राधिकारी का यह भी मानना है कि चीन जनवादी गणराज्य में आइसो बुटाइल बेंजीन के सामान्य मूल्य को प्रमाणित करने की प्राथमिक जिम्मेवारी उन निर्यातकों/उत्पादकों की बनती है, जो प्राधिकारी को सहयोग देने में विफल रहे हैं।
6. याचिकाकर्ता द्वारा सामान्य मूल्य के निर्धारण के संबंध में किए गए दावे का भी किसी हितबद्ध पार्टी (पार्टियों) द्वारा विरोध नहीं किया गया है।
7. डी जी सी आई एंड एस द्वारा संकलित की गई सूचना के आधार पर निर्यात कीमत का निर्धारण किया गया है। औसत निर्यात कीमत को विदेशी भाड़े, समुद्री बीमा, कमीशन, स्वदेशी परिवहन तथा प्रत्तन खर्चों के लिए समायोजित किया गया है।
8. चूंकि संबद्ध देश के किसी भी निर्यातक ने प्राधिकारी को उत्तर नहीं दिया है इसलिए प्राधिकारी ने अलग-अलग निर्यातकों के लिए पाटन मार्जिन का निर्धारण नहीं किया है। प्राधिकारी ने सामान्य मूल्य तथा निर्यात कीमत के बीच उचित तुलना के उद्देश्य से घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत की गई सूचना का उपयोग किया है क्योंकि पर्याप्त साक्ष्यों के साथ किसी अन्य पक्ष ने कोई तथ्यपरक सूचना उपलब्ध नहीं की है। इस तुलना पर कारखाना आधार पर विचार किया गया है। इस तुलना से 42.46% का पाटन मार्जिन प्रदर्शित होता है।

छ. क्षति एवं कारणात्मक संबंध

9. घरेलू उद्योग ने यह दलील दी है कि घरेलू उद्योग को विदेशी कम कीमत की पाटित वस्तुओं से लगातार खतरा था। तथापि, आयातों की मात्रा जो कि 1995-96 के दौरान 555.06 मी0 टन की थी वह चीन जनवादी गणराज्य के संबंध में जांच अवधि के दौरान अचानक 95.00 मी0 टन तक गिर गई थी। यह पाया गया है कि जांच अवधि के दौरान चीन जनवादी गणराज्य से हुए आयात क्षति रहित कीमत से काफी अधिक कीमत पर भारतीय बाजार में पहुंचे थे इसलिए घरेलू उद्योग के इस दावे की पुष्टि नहीं होती है कि चीन जनवादी गणराज्य से हुए आयातों से घरेलू उद्योग को क्षति पहुंच रही है। इसलिए घरेलू उद्योग द्वारा क्षति रहित कीमत तथा निवल बिक्री प्राप्ति के बीच के किसी अंतर की वजह पाटित आयात नहीं हो सकते हैं।
10. आयातों की मात्रा में गिरावट पाटनरोधी शुल्क लगाने के परिणामस्वरूप ही आ सकती है। पाटनरोधी शुल्क लगाने की आवश्यकता केवल तब पड़ती है जब उत्पाद का पाटित कीमत पर निर्यात किया जा रहा हो तथा/अथवा उत्पाद का ऐसी कीमत पर निर्यात किया जा रहा हो जिससे कि यह घरेलू उद्योग को क्षति पहुंचेगी।



11. घरेलू उद्योग द्वारा आई सो-बुटाईल बेंजीन की वर्तमान बिक्री कीमत यह निर्णय करने के लिए संगत नहीं है कि क्या पहले सिफारिश किए गए पाटनरोधी शुल्क को जारी रखने की आवश्यकता है अथवा नहीं। जांच अवधि के संदर्भ में घरेलू उद्योग की क्षति रहित कीमत तथा चीन जनवादी गणराज्य से आयातों के पहुँच मूल्य (प्रचलित सीमाशुल्क सहित और प्रवृत्त पाटनरोधी शुल्क को छोड़कर) की यह निर्णय करने के लिए तुलना करनी होती है कि क्या पहले सिफारिश किए गए पाटनरोधी शुल्क को जारी रखने की आवश्यकता है अथवा नहीं।
12. घरेलू उद्योग द्वारा यह प्रमाणित नहीं किया गया है कि क्षति रहित कीमतों से कम कीमत की प्राप्ति चीन जनवादी गणराज्य से पाटित आयातों के कारण हुई है।

**ज. पहुँच मूल्य:**

13. चीन जनवादी गणराज्य से आयातों के पहुँच मूल्य की गणना सीमाशुल्क के प्रचलित स्तर तथा एक प्रतिशत उतराई प्रभार और दो प्रतिशत हैंडलिंग प्रभारों को जोड़ने के पश्चात् डी जी सी आई एंड एस द्वारा सूचित किए गए आंकड़ों के अनुसार भारत औसत निर्यात कीमत पर विचार करते हुए किया गया है। चीन जनवादी गणराज्य से आयातों पर लागू पाटनरोधी शुल्क को पहुँच मूल्य में शामिल नहीं किया गया है।

**झ. अंतिम निष्कर्ष**

14. उपरोक्त पर विचार करने के बाद प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं कि:
  - चीन जनवादी गणराज्य के मूल के अथवा वहाँ से निर्यातित आई सो-बुटाईल बेंजीन का उसके सामान्य मूल्य से कम कीमत पर भारत को निर्यात किया गया है;
  - जांच अवधि के दौरान चीन जनवादी गणराज्य से बुटाईल बेंजीन के आयातों से घरेलू उद्योग को कोई वास्तविक क्षति नहीं हुई है;
  - चीन जनवादी गणराज्य के मूल के अथवा वहाँ से निर्यातित आई सो-बुटाईल बेंजीन के निर्यातों से घरेलू उद्योग को कोई क्षति नहीं हुई है।
- \* इसलिए, प्राधिकारी ने चीन जनवादी गणराज्य के मूल के अथवा वहाँ से निर्यातित भारतीय सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 के अध्याय 29 के अंतर्गत आने वाले आई सो-बुटाईल बेंजीन के आयातों पर लगाए गए पाटनरोधी शुल्क को समाप्त करना उचित समझा है।
- इस आदेश के विरुद्ध कोई अपील उपरोक्त अधिनियम के अनुसार सीमाशुल्क, उत्पाद शुल्क एवं स्वर्ण (नियंत्रण) अपीलीय न्यायाधिकरण के समक्ष दायर की जा सकेगी।

रति विनय झा, निर्दिष्ट प्राधिकारी

**MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY****(Department of Commerce)****NOTIFICATION**

New Delhi, the 28th March, 2000

**FINAL FINDINGS**

**Subject: - Sunset Review for continuance of antidumping duty imposed on Iso-Butyl Benzene originating in or exported from China PR – final findings.**

**No. 38/1/99/DGAD.**— Having regard to the Customs Tariff Act 1975 as amended in 1995 and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, thereof:

**A. PROCEDURE:**

1. The Procedure described below has been followed:
  - i. The Designated Authority (hereinafter referred to as the Authority) issued a public notice vide Notification no.38/1/99/DGAD dated the 2nd September, 1999 initiating Sunset review (also hereinafter referred to as review) of Anti Dumping Duty recommended on imports of Iso-Butyl Benzene originating in or exported from China PR vide notification no.14/50/93-TPD dated 30<sup>th</sup> August, 1994.
  - ii. The investigations concluded by the Authority vide Notification No.14/50/93-TPD dated 27<sup>th</sup> July, 1995 have been referred to as “the previous investigations”;
  - iii. The review investigations concluded by the Authority vide Notification No. 6/2/96-ADD dated 27<sup>th</sup> March, 1998 has also been referred to as “ the previous investigations ”;
  - iv. The Authority issued a public notice dated 2nd September, 1999 published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating review of anti

dumping duty concerning imports of Iso-Butyl Benzene, classified under custom heading 2933.40 of Schedule 1 of the Customs Tariff Act, 1975 originating in or exported from China PR (also referred to as the subject country hereinafter);

- v. In accordance with Section 9A(5) of the Custom Tariff Act relating to review, the Central Government extend the levy of anti-dumping duty in force on Iso-Butyl Benzene from China PR for a period of six months pending review findings vide OM No. 354/40/98 TRU dated 14/10/99 which is further extended upto 19<sup>th</sup> September, 2000 vide TRU office memorandum No.354/40/98-TRU (Vol.II) dated 18<sup>th</sup> January, 2000.
- vi. The Authority forwarded a copy of the public notice to all the known exporters and industry associations (whose details were made available by the petitioner in the previous investigations) and gave them an opportunity to make their views known in writing in accordance with the rule 6(2);
- vii. The Authority forwarded a copy of the public notice to all the known importers and consumers of Iso-Butyl Benzene in India (whose details were made available by domestic industry i.e. M/s Herdillia Chemicals Ltd. & M/s Vinati Organics Ltd. in the previous investigations) and advised them to make their views known in writing within forty days from the date of the letter;
- viii. Request was made to the Central Board of Excise and Customs (CBEC) to arrange details of imports of Iso-Butyl Benzene in India during the past three years, including the period of review.
- ix. The authority sent questionnaire, to elicit relevant information to known exporters/ producers in China PR, in accordance with the rule 6(4).
  - M/s Sinochem Lianoning, Dalian, China
  - M/s Sinochem Jilin Branch, China
  - M/S Tianjin Chemicals, China
  - M/s Shenyang Pesticide Factory, China
  - M/s Hanshou Chemical Plant, China

However, none of the exporters/ producers, have filed response to the questionnaire.

- x. The Embassy of China PR in New Delhi was informed about the initiation of the review in accordance with rule 6(2) with a request to advise the exporters/producers from their country to respond to the questionnaire within the prescribed time. A copy of the letter and questionnaire sent to the exporters was also sent to the Embassy, along with a list of known exporters/producers. However, none of the exporters/ producers, have filed response to the questionnaire.
- xi. A questionnaire was sent to the following importers and/or consumers of Iso-Butyl Benzene in India calling for necessary information in accordance with rule 6(4):
- M/s Satwik Drugs Ltd. Hyderabad
  - M/s Shasun Chemicals & Drugs Ltd., Chennai
  - M/s Sekhsarai Chemicals Ltd., Mumbai
  - M/s Cheminor Drugs Ltd., Hyderabad
  - M/s Sumitra Pharmaceuticals & Chem Ltd., Hyderabad
  - M/s C Well Drugs P. Ltd., Hyderabad
  - M/s Concept Pharmaceuticals Ltd., Mumbai
  - M/s Global Drugs P. Ltd., Hyderabad
  - M/s Vorin Laboratories, Hyderabad
  - M/s Herren Drugs & Pharmaceutical Ltd., Hyderabad
  - M/s Sekhsaria Chemicals Ltd., Mumbai
  - M/s Cheminor Drugs Ltd., Hyderabad
  - M/s Sumitra Pharmaceuticals Ltd., Hyderabad
  - M/s C Well Drugs P. Ltd., Hyderabad
  - M/s Concept Pharamaceuticals, Mumbai
  - M/s Global Drugs P. Ltd., Hyderabad
  - M/s Dolphin Drugs, Hyderabad
  - M/s Vorin Laboratories, Hyderabad
  - M/s Indian Manufacturers Association, Mumbai

Response to the questionnaire was filed by the following:

- M/s Shasun Chemicals & Drugs Ltd., Chennai
- M/s Sekhsarai Chemicals Ltd., Mumbai
- M/s Cheminor Drugs Ltd., Hyderabad
- M/s Global Drugs P. Ltd., Hyderabad
- M/s Herren Drugs & Pharmaceutical Ltd., Hyderabad

A questionnaire was sent to M/s Herdillia Chemicals Ltd. & M/s Vinati Organics Ltd. (referred to as domestic industry hereinafter) calling for necessary information. Domestic industry filed its response;

- xii The Authority conducted on-the-spot investigation at the premises of the domestic industry to the extent considered necessary;
- xiii Cost investigations were also conducted to work out optimum cost of production and cost to make and sell the subject goods in India on the basis of Generally Accepted Accounting Principles(GAAP) .
- xiv. The Authority held a public hearing on 3.12.99. Representative of the following companies attended the hearing;
  - 1. M/s Herdillia Chemicals Ltd.;
  - 2. M/s Vinati Organics Ltd ;
  - 3. M/s Shasun Chemicals & Drugs Ltd.;
  - 4. M/s Sekhsaria chemicals Ltd.;
  - 5. M/s Cheminor Drugs Ltd.;

The parties attending the public hearing were requested to file written submissions of the views expressed orally. The parties were advised to collect copies of the views expressed by the opposing parties and were requested to offer their rebuttals;

The Authority kept available non-confidential version of the evidence presented by various interested parties in the form of a public file maintained and kept open for inspection by an interested party;

- xv. Investigation was carried out for the period starting from 1<sup>st</sup> April, 1998 to 31<sup>st</sup> March, 1999.
- xvi. In accordance with Rule 16 of the Rules supra, the essential facts/basis considered for these findings were disclosed to all known interested parties and comments received on the same have also been duly considered in these findings.

- xvii. \*\*\*\* in this notification represents information furnished by an interested party on confidential basis and so considered by the Authority under the Rules;

**B VIEWS OF DOMESTIC INDUSTRY:**

2. Domestic industry made the following submissions:-
- (i) The domestic industry has argued that under Rule 23 of Anti Dumping Rules dealing with review of anti dumping, various indices indicating injury to the domestic industry have to be seen in the context of the anti dumping duty already enforced on imports from China. Decline in the imports volume from China, increase in the market share of the domestic industry, increased production and sales volume of the domestic industry have to be seen in the light of the anti dumping duty already enforced on imports from China.
  - (ii) IBB is being exported to India at price below its normal value, resulting in dumping;
  - (iii) The landed price of imports being lower than the Non-injurious price of the domestic industry, the imports would result in enhanced injury to the domestic industry;
  - (iv) Unless the anti dumping duty is enhanced, the domestic industry would suffer material injury;

**C VIEWS OF EXPORTERS, IMPORTERS AND OTHER INTERESTED PARTIES**

3. (a) None of the exporters/producers have responded to the Authority and offered any comments.
- (b) The importers and/or consumers have expressed their views, and the same are briefly mentioned below:
- (i) The international and domestic price of the finished product viz. IBUPROFEN has been depressed. The continuance of Anti-dumping duty will cause injury to the manufactures of IBUPROFEN by way of

increased cost. The very levy of Anti Dumping duty on products which are imported also nullifies the benefit extended to Exporters. Hence it is vitally necessary to exclude levy and continuance of anti dumping duty on IBB imported forthwith.

- (ii) The DPCO price of IBJPROFEN which was at Rs.521/- in the year 1991 today it stands reduced to 365/- per kg which adds to the strain of procurement of raw materials on a cost-effective basis.
- (iii) IBB has not exported to India at below its normal value and with a result there is no dumping.
- (iv) There is no threat of Material Injury to IBB manufacturers.
- (v) With a result Anti-Dumping Duty on IBB should be withdrawn immediately with retrospective effect from 19<sup>th</sup> September 1999.

### **EXAMINATION BY AUTHORITY**

The submissions made by the exporters, importers, petitioner and other interested parties have been examined and issues raised with reference to the Rules and having a bearing on this case have been considered and dealt with at appropriate place in the notification.

### **Disclosure of essential facts made by the Authority**

#### **(a) Comments made by interested parties**

The domestic industry has argued that: -

- ◆ Based on the figures of Cost of Production and Capital Employed submitted by us to your Directorate and records of our Accounts presented to your officers for scrutiny, the Non-Injurious Price (NIP) should work out to a figure significantly higher than computed by your Directorate.
- ◆ The Disclosure Statement does not make any categorical statement even in respect of Dumping, although we have proven with relevant facts and figures that the dumping has intensified. We request the Directorate to kindly make their findings clear in this regard.

- ◆ In the Disclosure Statement, there is no mention of your Directorate's value of computation of the landed cost of import of IBB from China PR. We also request you to kindly make your findings clear that IBB is being dumped in India from China PR based on the data submitted to you.
- ◆ Assessment Year 1998-99- not a properly indicative year for Cost of Production for working out the NIP.
- ◆ We have to reiterate that the Anti dumping duty on IBB needs to be increased to a level required to remove injury to the Domestic IBB manufactures.

#### **Comments made by importers/consumers**

- ◆ There is no justification whatsoever not only for continuance of levy of anti dumping duty but for such a levy itself. There is no evidence to show the existence of dumping and the margin of anti dumping which has been calculated. The local manufacturers of Iso Butyl Benzene have been willing to supply the subject goods at International prices under the Deemed export basis, as it is evident in the enclosures enclosed. This itself is a definite pointer to the local manufacturers of IBB have adequate margin for such supplies and does not require any support for the imposition of Additional duty by way of Anti-Dumping duty.

#### **(b) Examination of comments on disclosure of essential facts by the Authority**

- ◆ The Authority clarified the methodology adopted by the Directorate for deriving NIP in a separate meeting with the domestic industry on 7.2.2000.
- ◆ In the Disclosure Statement, Authority has clearly disclosed the methodology adopted in absence of cooperation from exporters for the calculation of normal value and export price.
- ◆ In the Disclosure Statement, Authority has clearly mentioned that export price has been calculated on the basis of DGCI&S, Government of India, Calcutta data which is a public document.



- ♦ The Authority decides the period of investigation at the time of initiation of the case keeping in mind the data availability for the said period from all sources. Domestic industry has not objected to the period of investigation from the time of initiation of the case till the Disclosure was given. Hence, the Authority has ruled out the domestic industry's argument at this stage.

D. **PRODUCT UNDER CONSIDERATION, DOMESTIC INDUSTRY AND LIKE ARTICLES**

4. The final findings notified earlier with regard to the product under consideration, domestic industry and Like Article remain unchanged.

E. **DUMPING**

**Normal value**

5. The Authority sent exporters questionnaire to the known exporters for the purpose of determination of normal value in accordance with Section 9A (1) c; however, none of the exporters responded nor furnished any information to the Authority. The Authority, therefore, holds that none of the exporters from the subject country have co-operated with the Authority as envisaged under the Rules. The Authority also holds that the primary responsibility to establish normal value of Iso-Butyl Benzene in China PR rests with the exporters/producers, who have failed to co-operate with the Authority.
6. The claim made by the petitioner with regard to the determination of normal value has also not been disputed by any interested party(ies). The Authority has, therefore, proceeded on the basis of Rule 6(8), i.e., best information available.
7. The export price has been determined on the basis of the information compiled by the DGCI&S. The average export price has been adjusted for ocean freight, marine insurance, commission, inland transport and port expenses.
8. Since none of the exporters from the subject country have responded to the Authority, the Authority has not determined dumping margins for individual exporters. The Authority took into account the information furnished by domestic industry, as no other party has furnished any factual information with sufficient evidence, for the purpose of fair

comparison between the normal value and the export price. The comparison has been considered as on ex-works basis. The comparison shows a dumping margin of 42.46%.

**F. INJURY AND CAUSAL LINK**

9. The domestic industry have contended that there were constant threats to domestic industry from foreign low price dumped goods. However the volumes of imports which were 555.06 MT during 1995-96 have drastically come down to 95.00 MT during period of investigation in respect of China PR. It is found that imports from China PR entered the Indian market at price significantly higher than the non-injurious price during period of investigation. Hence the claim by the domestic industry that imports from China PR are causing injury to domestic industry is not established. Any difference between the non-injurious price and the net sales realisation by the domestic industry, therefore, cannot be attributed to the dumped imports.
10. Decline in volume of imports may be a result of the very imposition of anti-dumping duty. The anti-dumping duty is required to be imposed only if the product is being exported at dumped price and/or the product is being exported at such price that it would cause injury to the domestic industry
11. The current selling price of Iso-Butyl Benzene by domestic industry is not relevant to decide whether the anti-dumping duty recommended earlier is required to be continued. The non-injurious price of the domestic industry and the landed value of imports from China PR (including prevailing custom duties and excluding anti-dumping duties in force) with reference to period of investigation are to be compared to decide whether anti-dumping duty recommended earlier is required to be continued or not.
12. Domestic industry has not established that the lower price realisation than the non-injurious price is due to dumped imports from China PR.

**G. LANDED VALUE:**

13. The landed value of imports from China PR has been calculated considering the weighted average export price as per the details reported by DGCI&S after adding the prevailing level of customs duties and one

percent landing and two percent handling charges. The anti dumping duty in force on imports from China PR has not been included in the landed values.

## H **FINAL FINDINGS**

14. The Authority concludes, after considering the foregoing, that:

- Iso-Butyl Benzene originating in or exported from China PR has been exported to India below its normal value;
- The domestic industry has not suffered any material injury from imports of Iso-Butyl Benzene from China PR during the period of investigation ;
- No injury has been caused to domestic industry by the exports of Iso-Butyl Benzene originating in or exported from China PR.
- ◆ The Authority, therefore, considered appropriate to discontinue the anti dumping duty imposed on imports of Iso-Butyl Benzene originating in or exported from China PR, falling under Chapter 29 of Indian Customs Tariff Act, 1975.
- ◆ An appeal against this order shall lie to the Customs, Excise and Gold (Control) Appellate Tribunal in accordance with the Act supra.

RATHI VINAY JHA, Designated Authority

